गढ़ प्रवेशिका

भाग 1

गढ़ प्रवेशिका

(पहला भाग)

पाठ्यक्रम एवं सामग्री निर्माण विभाग
राज्य संदर्भ केन्द्र
साक्षरता निकेतन, लखनऊ-226 005

गढ़ प्रवेशिका
(पहला भाग)

रचना मण्डल

डॉ० एन० के० सिंह
श्री लीलाधर शर्मा 'पर्वतीय'
श्री योगेश्वर प्रसाद देवरानी
डॉ० राधा शर्मा
श्री वीरेन्द्र मुलासी
श्री श्याम लाल
डॉ० धर्म सिंह
श्री लायक राम 'मानव'
श्री विश्वनाथ सिंह

चित्रांकन

श्री डी० वी० दीक्षित
श्रीमती अलका दीक्षित
कु० पूनम शाही
कु० मीरा गुप्ता

प्रकाशक

राज्य संदर्भ केन्द्र
साक्षरता निकेतन
लखनऊ-226005

मुद्रक

प्रकाश पैकेजर्स,
257-गोलागंज, लखनऊ।

जनवरी, 1990

भूमिका

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन की स्थापना के उपरान्त प्रौढ़ शिक्षा के उद्देश्य और कार्यक्रमों में व्यापक परिवर्तन-संशोधन हुआ है। इस संशोधन का प्रभाव कार्यक्रम के प्रत्येक पक्ष पर पड़ा है। मूल साक्षरता सामग्री के निर्माण और उसकी प्रयोग विधि पर भी नवीन परिवर्तनों का असर स्वाभाविक था।

नई नीतिं के अनुसार निकेतन द्वारा प्रकाशित सभी प्रवेशिकाओं को संशोधितऔर पुनर्निर्मित किया गया है। कुछ नई प्रवेशिकाएँ भी बनाई गई हैं। नई प्रवेशिकाओं में "गढ़ प्रवेशिका", "कुमायूँ भारती", "आदि भारती" तथा "नई किंरन" मुख्य हैं। गढ़ प्रवेशिका गढ़वाल क्षेत्र के लिए, कुमायूँ प्रवेशिका कुमायूँ क्षेत्र के लिए, आदि भारती सोनभद्र के लिए तथा नई किरन सामान्य रूप से मध्य क्षेत्र के लिए बनाई गई हैं। नई किरन, नई राह के स्थान पर प्रस्तावित है।

इन प्रवेशिकाओं की कुछ प्रमुख विशेषताएँ इस प्रकार हैं :

०० प्रवेशिकाएँ क्षेत्रीय रुचियों और आवश्यकताओं पर आधारित है। इनमें केवल स्थानीय विषय और समस्याओं को ही नहीं वरन् स्थानीय भाषा को भी प्रमुखता दी गयी है। हमारा विश्वास है कि यदि प्रौढ़ ने अपनी बोली के आधार पर वर्ण और मात्राएँ सीख लीं तो वह मानक भाषा भी शीघ्रता से सीख सकता है, अतः स्थानीय बोली से मानक भाषा पर लाना सहज, सार्थक और शीघ्रगामी है।

०० सभी प्रवेशिकाएँ एकीकृत विधा और मानकों पर आधारित हैं। एकीकृत का मूल तात्पर्य यही है कि साक्षरता, चेतना जागृति एवं व्यावसायिक दक्षता साथ-साथ चले। प्रौढ़ जो कुछ भी पढ़े उसका सुदृढ़ीकरण, परीक्षण और मूल्यांकन भी साथ-साथ होता जाय। अतः प्रत्येक तीन अथवा चार पाठों के दौरान जाँच पत्र दिये गये हैं। व्यावहारिक दक्षता के स्तर तक पहुँचने के लिए प्रारम्भिक स्तर की प्रवेशिका को ३ भागों में बाँटा गया है। इसे यह भी कह सकते हैं कि अब प्रवेशिका ३ भागों में विभाजित है। प्रत्येक भाग का अपना स्तर है। उसी स्तर के आधार पर जाँच पत्र और प्रमाण पत्र दिये गये हैं। भाषा, लेखन, उच्चारण तथा गणित के अभ्यासों को प्रवेशिका के साथ ही जोड़ दिया गया है।

०० इस प्रवेशिका का निर्माण गढ़वाल क्षेत्र में जाकर किया गया है। लिखे गये पाठों का परीक्षण भी यहीं किया गया है। स्थानीय विशेषज्ञों के माध्यम से स्थानीय रुचियों, आवश्यकताओं, समस्याओं का चयन किया गया तथा वहाँ के सांस्कृतिक एवं लोक-जीवन को इस प्रवेशिका के पठन अभ्यासों और चित्रांकनों में उभारा गया है।

प्रवेशिका के निर्माण में जिला प्रौढ़ शिक्षा अधिकारी, चमोली, श्री योगेश्वर प्रसाद देवरानी, श्री मनोहर लाल खत्री, अनिल चन्द पुरोहित, प्रभात उप्रेती, श्री श्रीनन्द शर्मा एवं विशनदत्त जोशी आदि स्थानीय विद्वानों ने योगदान दिया। विधा, भाषा एवं चित्रांकन विशेषज्ञों में डॉ० एन० के० सिंह, श्री लीलाधर शर्मा पर्वतीय, डॉ० राधा शर्मा, श्रीमती अल्का दीक्षित एवं साक्षरता निकेतन के श्री श्यामलाल, डॉ० धरम सिंह, श्री लायक राम मानव, श्री वीरेन्द्र मुलासी, श्री डी० वी० दीक्षित, कुमारी पूनम साही, कुमारी मीरा गुप्ता एवं श्री वी० एन० सिंह ने अथक परिश्रम करके इस कार्य को पूर्ण किया। हम उपर्युक्त सभी महानुभावों के आभारी हैं।

आशा है यह प्रवेशिका राष्ट्रीय साक्षरता मिशन के उद्देश्यों को पूर्ण करने में सफल होगी। इस प्रवेशिका के विषय में सुधी विद्वानों की प्रतिक्रिया का हम स्वागत करेंगे।

शिवदत्त त्रिवेदी
निदेशक
राज्य संदर्भ केन्द्र

गढ़ प्रवेशिका

(पहला भाग)

पाठ इकाई विवरणिका

पाठ सं.	मूल शब्द	वर्ण/मात्राएँ	गणित	विषय-क्षेत्र	रा.सा.मि. में इंगित प्रेरणादायी कार्यक्रम
1.	बदरी	ब द र ी	—	साँस्कृतिक	साँस्कृतिक कार्य, राष्ट्रीय मूल्य
2.	भागीरथी	भ ा ग थ	1 से 2 तक गिनती	साँस्कृतिक, आर्थिक	साँस्कृतिक, आर्थिक कार्यकलाप
3.	भीमल रिंगाल	म ल ि ं	3 से 5 तक गिनती	वन, पर्यावरण, उद्योग	आर्थिक कार्यकलाप, कौशल विकास, चेतना जागृति

जाँच पत्र : 1 (पाठ 1 से 3 तक के लिए)

पाठ सं.	मूल शब्द	वर्ण/मात्राएँ	गणित	विषय-क्षेत्र	रा.सा.मि. में इंगित प्रेरणादायी कार्यक्रम
4.	हैड़ा बहेड़ा	ह ै ड़ े	6 से 10 तक गिनती	वनौषधि उद्योग	आ.का., कौ.वि.
5.	रैंस राई झँगोरा	स ई झ ँ ो	11 से 15 तक गिनती	कृषि, खाद्य पदार्थ	आ.का., कौ.वि.
6	कूड़ी पुंगड़ी	क ू प ुं	16 से 20 तक गिनती	आवास, आजीविका (घर-जमीन)	स्वास्थ्य, आ.का., चेतना जागृति

जाँच पत्र : 2 (पाठ 4 से 6 तक के लिए)

पाठ सं.	मूल शब्द	वर्ण/मात्राएँ	गणित	विषय-क्षेत्र	रा.सा.मि. में इंगित प्रेरणादायी कार्यक्रम
7.	गौड़ी-बाछी भेड़-बाखरी दूध	ौ छ ख ध	21 से 25 तक गिनती	पशुपालन	आ.का., चेतना जागृति
8.	नाती नतेण चखल-पखल	न त ण च	26 से 30 तक गिनती	शिशु पालन (सीमित परिवार)	बाल स्वास्थ्य, चेतना जागृति
9.	एखुली घसियारी अखुली	ए घ य अ	31 से 40 तक गिनती	श्रम का महत्व	आ.का., चेतना जागृति
10.	ऊन लवा कमोटा मफलर	ऊ व ट फ	41 से 50 तक गिनती	ऊन उद्योग	आ.का., कौ. वि. का. शि.

जाँच पत्र : 3 (पाठ 1 से 10 तक के लिए)

प्रमाण पत्र

पाठ 1

बदरी

ब द री

बर	दर	दरद	रबर
बीर	दीदी	रबी	दरी

दीदी, दीदी, बदरी।

बदरी केदार हिंवाला काँठा थथरौंदन गाती।
गढ़वाल मेरो मुलक देवतों की थाती ॥

लकीरें खींचिए:

अभ्यास 1

1. पढ़िए :

ब द र बी दी री

रबर दीदी दरी रबी

2. लिखिए :

ब ------- ------- ------- -------

द ------- ------- ------- -------

र ------- ------- ------- -------

2.2. लिखिए :

बीर ________ ________ ________

रबी ________ ________ ________

दरी ________ ________ ________

पाठ 2
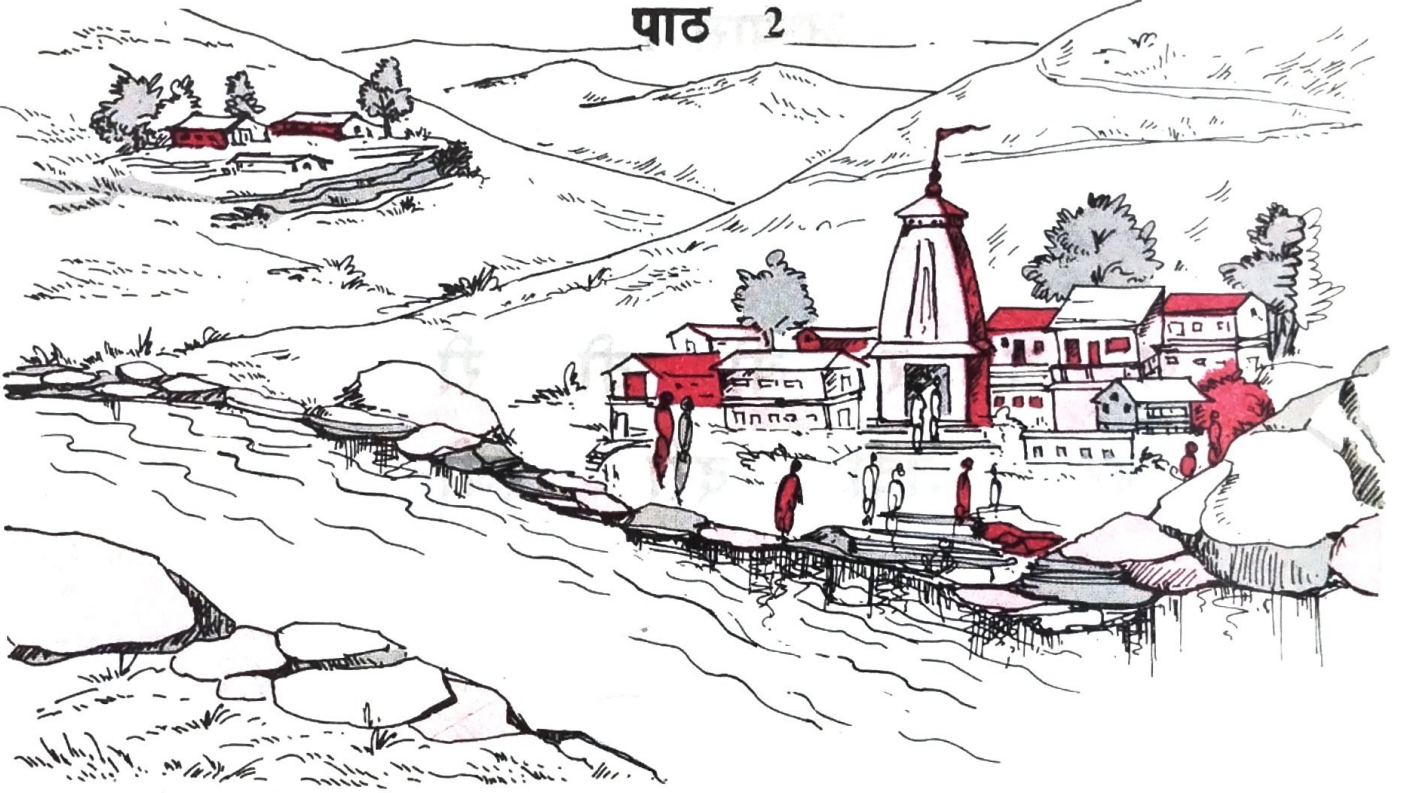
भागीरथी

भ ा ग थ

भ	भीर	भर	भरी	भीरी
ा	भार	बाबा	भाभी	बराबर
ग	गागर	बाग	बरगद	भागीदार
थ	थर-थर	रथ	गाथा	भगीरथ

1 2

बड़ू भाग भगीरथ कू, <u>भागीरथी</u> धरती मा लायो।
हरीं-भरीं धरती ह्वाया, नन्दा, मन्दा मन भायो ।।

दादा	दरबार	भारी	बार-बार
बागी	गरीब	राग	गदा

भाभी गा।

भगीरथ गाथा गा।

दादा गा,

बाबा गा।

बार-बार भगीरथ गाथा गा।
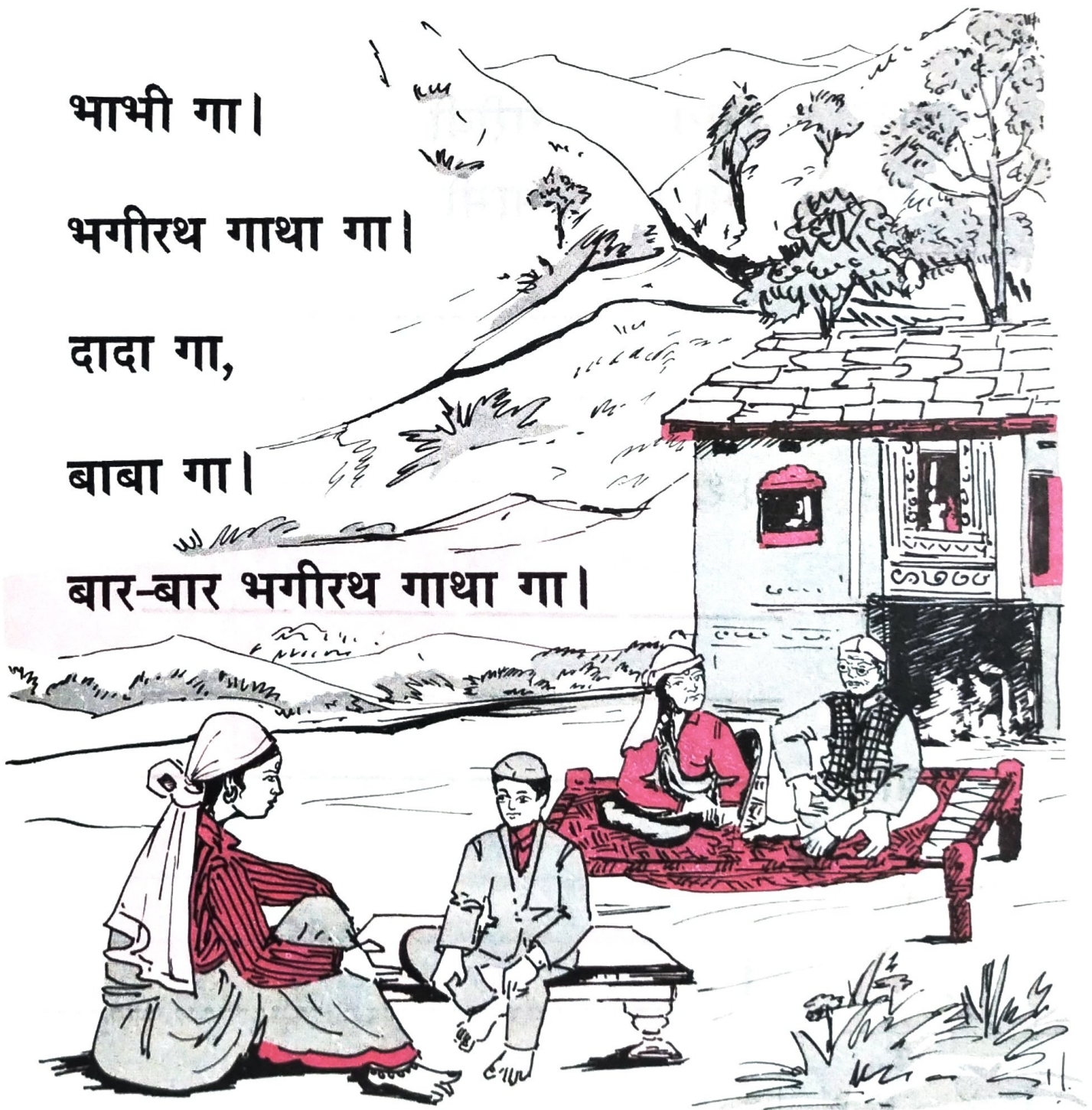
अभ्यास 2

1.1. पढ़िए :

ग ब भ द थ

गा बा भा दा था

गी बी भी दी थी

1.2. दादा राग गरीबी

भगीरथ भारी भाभी

2.1. लिखिए :

भ ----- ----- -----

ग ----- ----- -----

थ ----- ----- -----

2.2. राग ______ ______ ______ ______

रथ ______ ______ ______ ______

बाग ______ ______ ______ ______

3. गिनिए और लिखिए :

1 1 ------- ------- ------- -------

2 2 ------- ------- ------- -------

पाठ 3
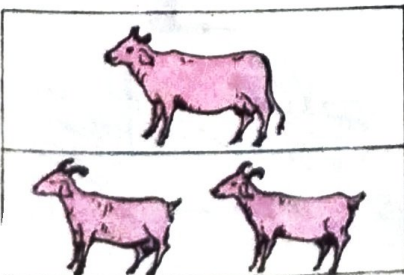
भीमल रिंगाल

म ल ि ं

म	मदद	मामा	भीम	रामी
ल	लाल	लाभ	माली	मालामाल
ि	दिल	दिमाग	बिल	बलि
ं	गंगा	मंगल	मंदिर	बंगाल

3 4 5

फूल-पात मिलदो खूब भीमल बाँज बुराँस कू।
ज्यूड़ी, डाली, टोकरी बणदी, बिछौणू रिंगाल कू।।

बादाम	बीमार	गमला	थाली
गला	माला	दाल	दंगल

रामी गरीब थी।
भीम भी गरीब था।
मंगल मददगार था।
भीमल लगा,
रिंगाल लगा।
लाभ मिला।
रामी-भीम मालामाल।

अभ्यास 3

1.1. पढ़िए :
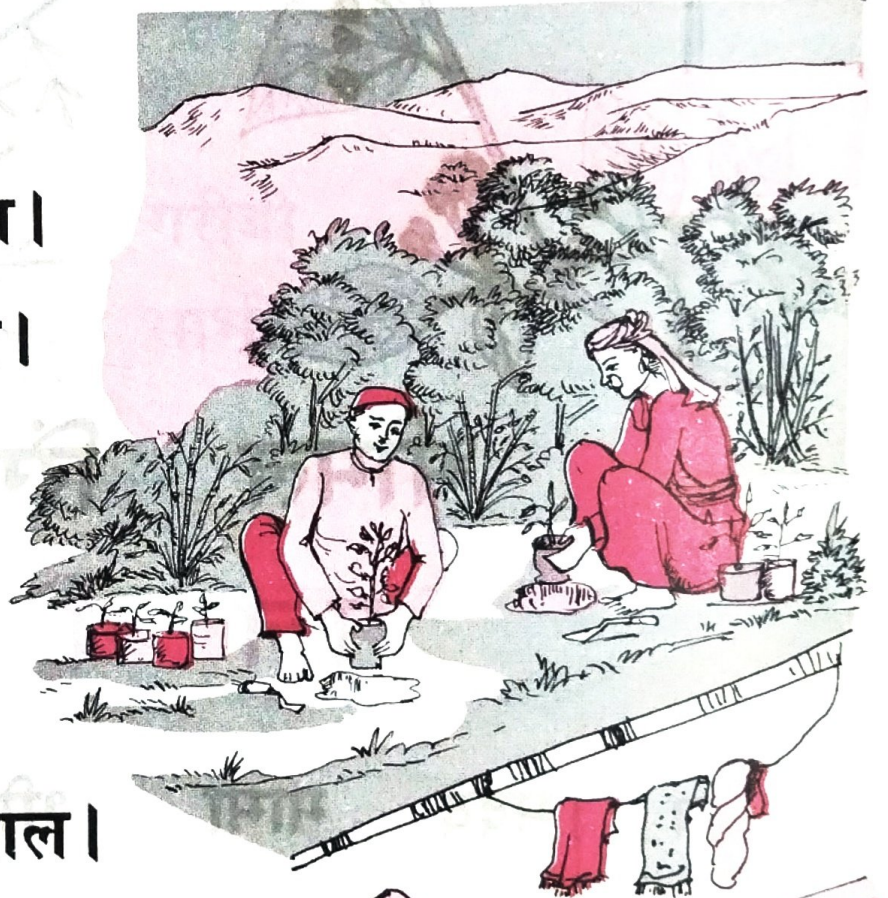
म	मा	मि	मी
ल	ला	लि	ली

1.2.

दाम राम भला मील

2.1. लिखिए :

म ---- ---- ---- ----

ल ---- ---- ---- ----

2.2. दाम ———— माला ————

2.3. 'ा', 'ि', 'ी' अथवा '' लगाकर नीचे लिखे अधूरे शब्दों को पूरा कीजिए और फिर से लिखिए :

माल ———— मदिर ————

दाम द ———— दलदार ————

3. गिनिए और लिखिए :
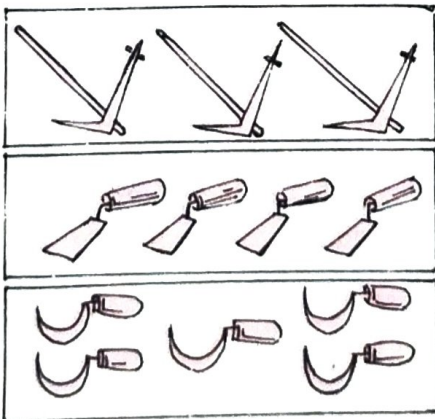
जाँच पत्र 1 (पाठ 1 से 3 तक के लिए)

1. पढ़िए:

रबर	दरी	बीमारी	गली	दिमाग
गाथा	रंग	रिंगाल	बदरी	मंदिर

2. नीचे दिए गए शब्दों में 'द', 'ल', 'र' और 'ग' के नीचे रेखा खींचिए :

मद	बाल	दमा	बिल
रथ	गाथा	गम	रबी

3. पढ़िए :

भीम, भीमल लगा ।

मंगल, रिंगाल लगा ।

4. चित्र देखकर उनके नाम लिखिए :

____

____

____

____

5. नीचे लिखे शब्दों को 'ा', 'ि' अथवा 'ी' की मात्रा लगाकर पूरा कीजिए :

ब..बा दीद.. बदर.. भ..मल

..दमाग ..मल माम.. लग..म

6. 1 से 5 तक की गिनती क्रम से लिखिए :

_____ _____ _____ _____ _____

7. खाली जगहों में सही गिनती भरिए :

1 _____ **3** _____ **5**

पाठ 4

हैड़ा   बहेड़ा

ह ै ड़   े
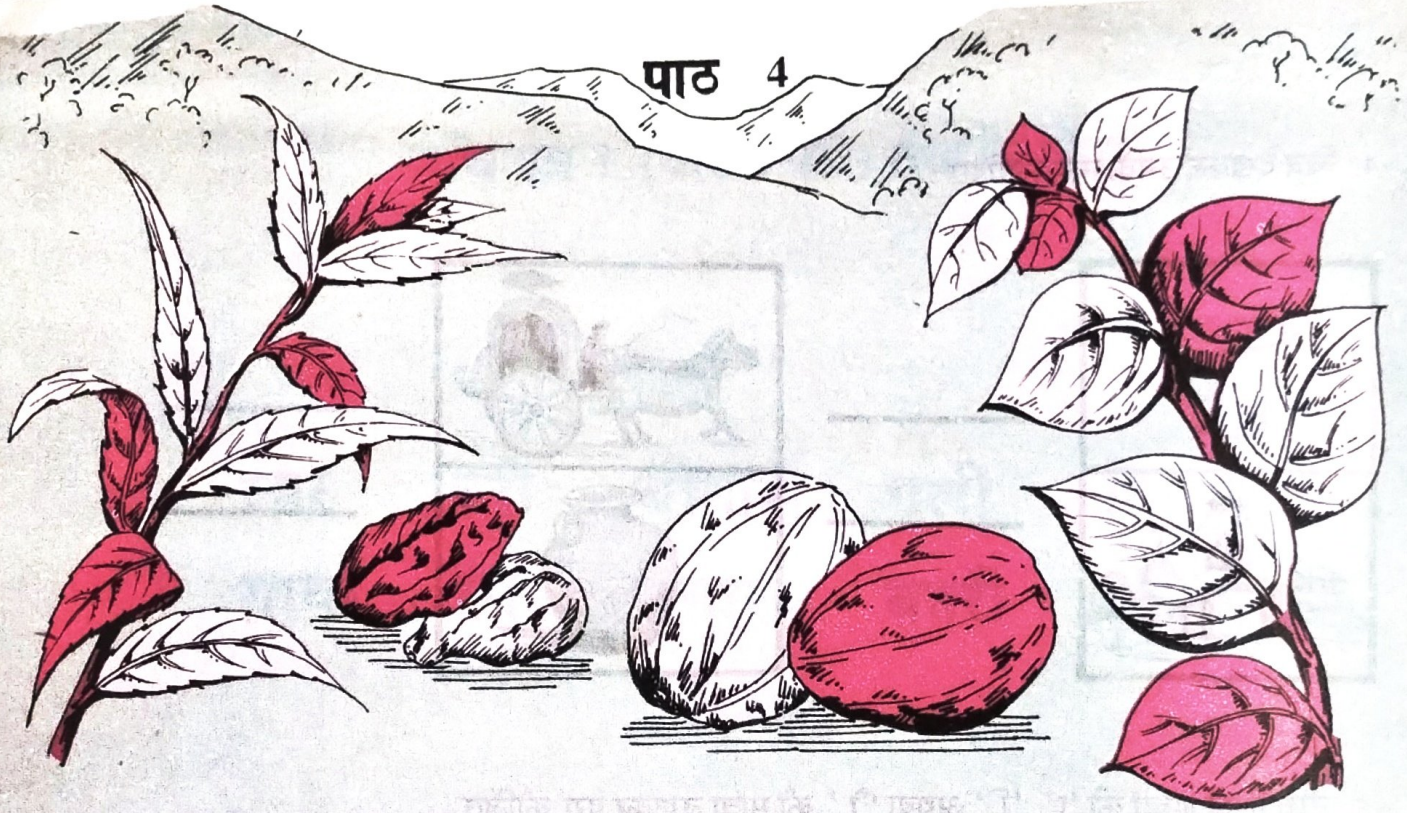
ह	हल	हाथ	हिम	हीरा
ै	बैल	रैबार	गैर	बैद
ड़	बड़ा	गाड़ी	भीड़	भगदड़
े	बेर	भेड़	रेल	हेलमेल

6   7   8   9   10

औंला कू अचार बणद, बणद त्रिफला चूर्ण।
हैड़ा बहेड़ा औषधी, रोग काटदन पूर्ण।।

हाथी राह थैली बैरी

हड़गा बीहड़ गेंद देर

हरा-हरा हैड़ा है।

हरा-हरा बहेड़ा है।

हैड़ा बहेड़ा बाग में है।

हेमा, हैड़ा ला,

बहेड़ा ला।

हैड़ा बहेड़ा थैले में ला।
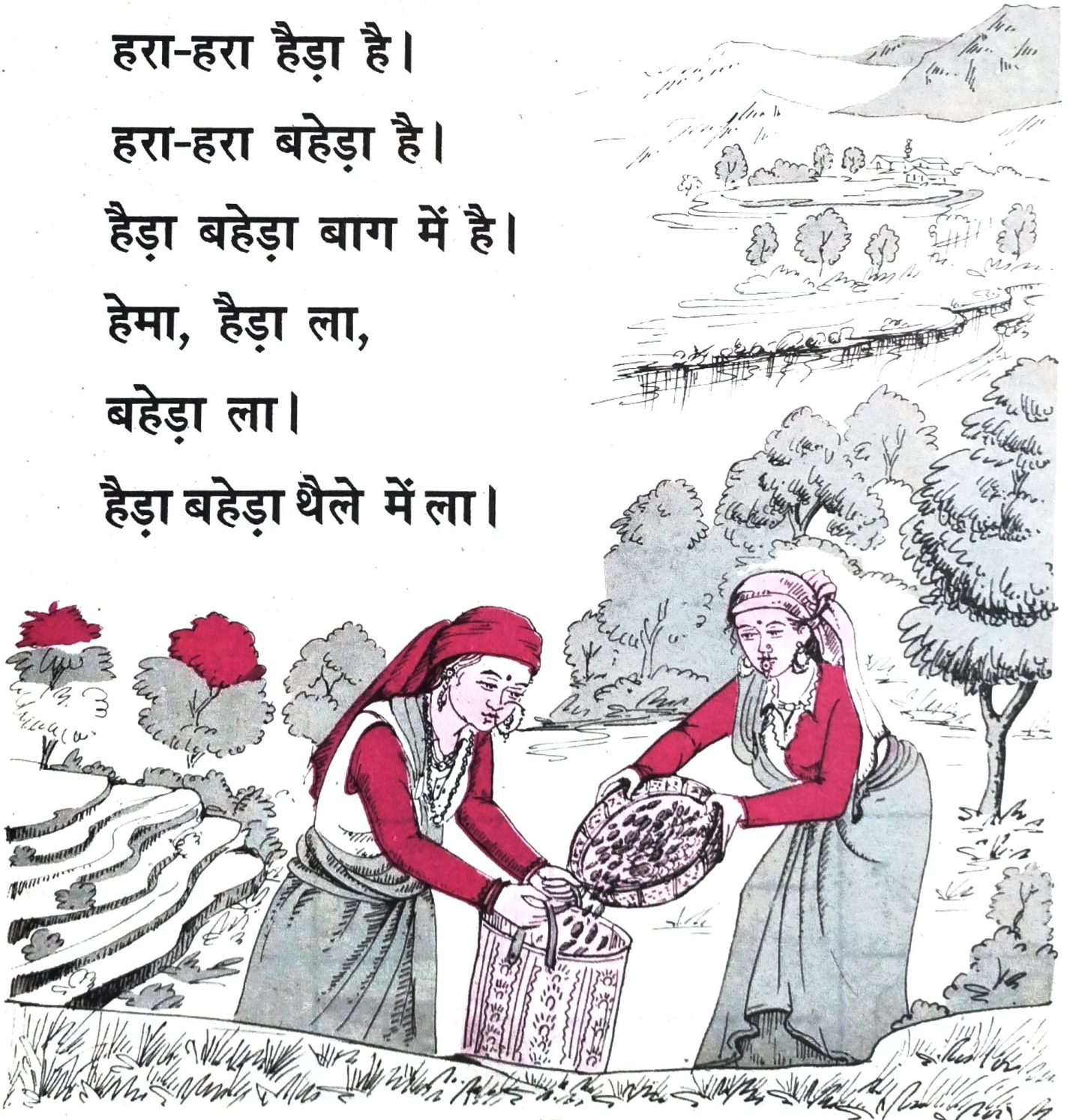
अभ्यास 4

1. चौखटे में लिखे अक्षरों को पहचानिए और सामने लिखे शब्दों में उन अक्षरों के नीचे लकीरें खींचिए :

ह	बाहर	बिहार	हरा	गहरा
ड़	भगदड़	हाड़	लंगड़ा	बहेड़ा

2.1. लिखिए :

ह ----- ----- ----- -----

ड़ ----- ----- ----- -----

2.2. 'े' अथवा 'ै' की मात्रा लगाकर शब्द पूरे कीजिए और लिखिए :

थला भड़ हड़ा मदा बल

_____ _____ _____ _____ _____

2.3. चित्र देखकर उनके नाम लिखिए :
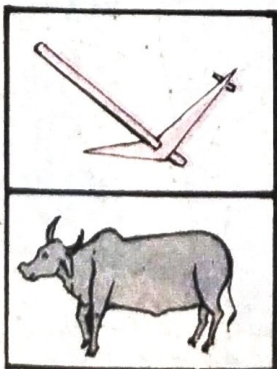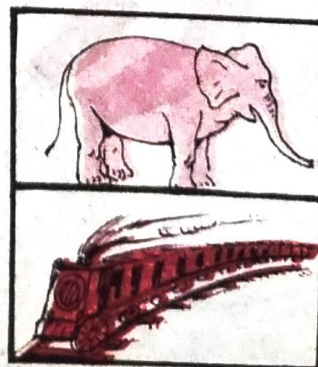
3.1. गिनिए और लिखिए :
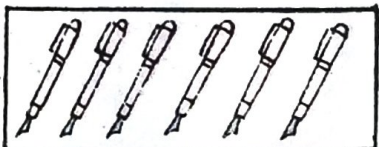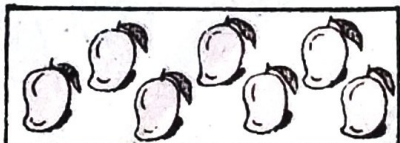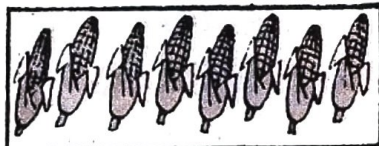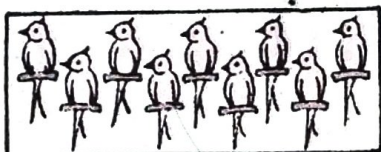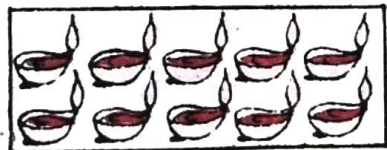
3.2. छूटी हुई गिनती लिखिए :

1 ____ 3 4 ____

6 ____ 8 ____ 10

पाठ 5

रैंस राई झँगोरा

स ई झ ँ ो

स	सब	साथ	सबेरा	भैंस
ई	ईद	भाई	सिलाई	रईस
झ	झालर	झील	झाड़ी	साझेदारी
ँ	माँ	बाँस	साँझ	हाँ
ो	होली	गोद	लोग	लोहा

11 12 13 14 15

रैंस की दाल, राई कू साग, भलू हमारू खाणू छ।
झँगोरा, भट्ट व गौथन, हम तैं पोषण पाणू छ ।।

साल मसाला गिलास दरोगा

भलाई लड़ाई भाँग साझा

राई है।

झँगोरा भी है।

माँ बोली- मँझली से रैंस माँग ला।

रैंस से बड़ा लाभ है।

मोरसिंह बोला- हाँ, माँ! लाभ रैंस से भी

है, राई से भी।

अभ्यास 5

1.1. पढ़िए :

स ई झ ह ड़
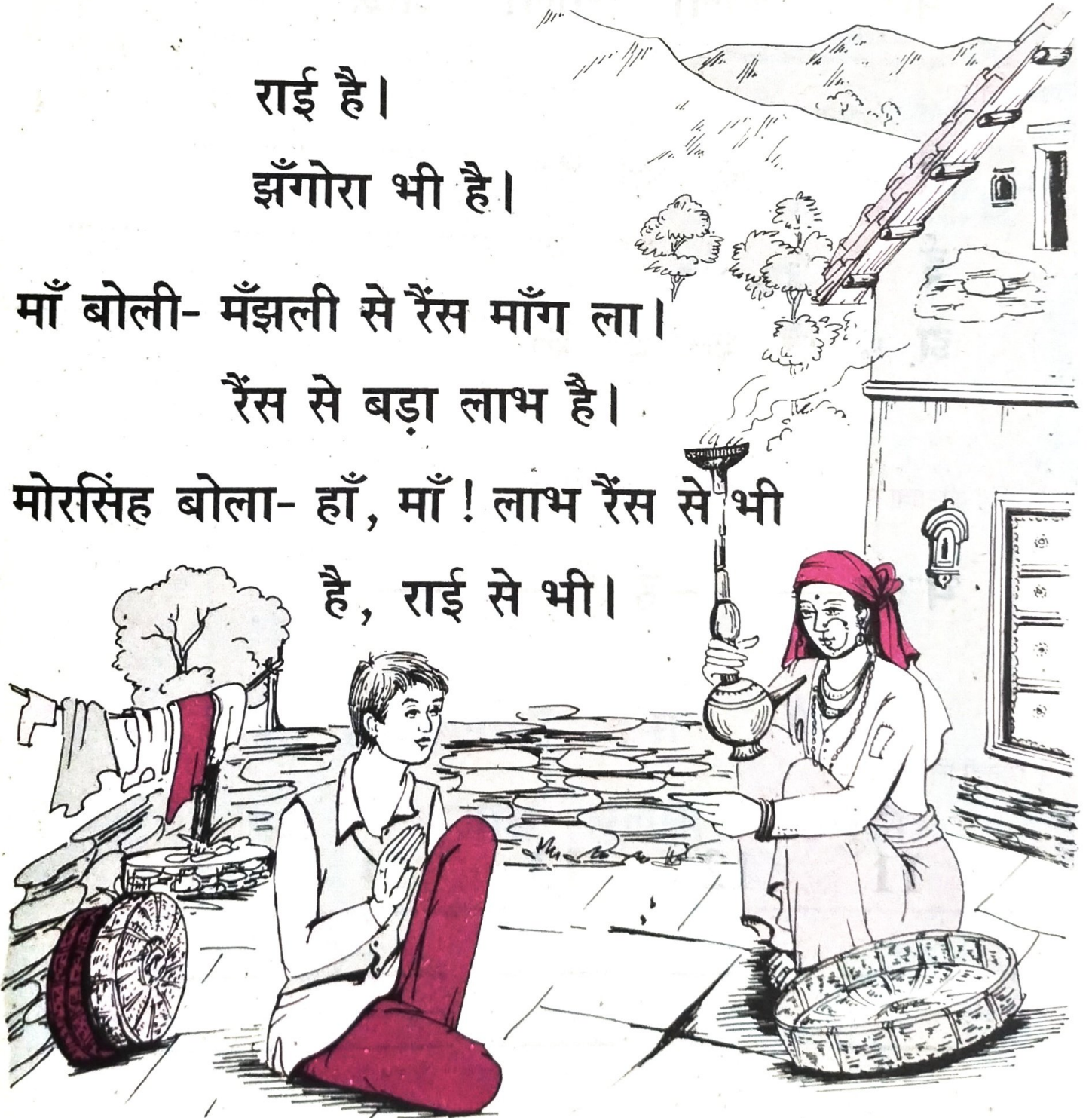
बस सलाई सलाह साझेदारी

मोर बोली गोली झाँझ

2.1. लिखिए :

स ....

ई ....

झ ....

2.2. 'ो' की मात्रा लगाकर पढ़िए और दो-दो बार लिखिए :

भ ला —— ——   ह ली —— ——

3. गिनती लिखिए :

11 12 13 14 15

पाठ 6

कूड़ी   पुंगड़ी

क ू   प ु
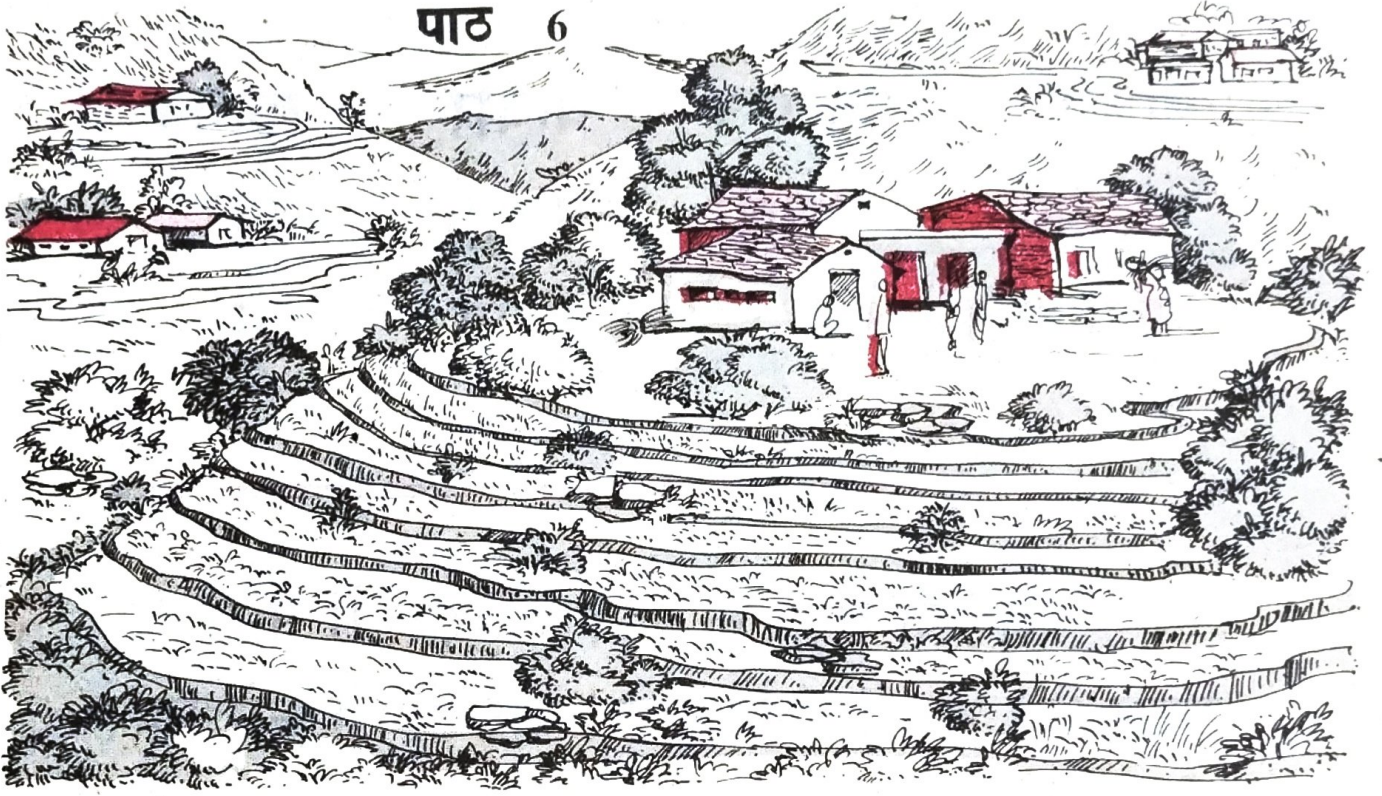
क	कब	काकी	कंकोड़ा	कोदो
ू	बहू	मूली	सूझबूझ	झूला
प	पहला	कपासी	पाथा	पैसा
ु	पुल	गुलाब	थुलमा	दाथुड़ी

16   17   18   19   20

कूड़ी मेरी भली छ, साफ छ आँगन खोलि।
पुंगड़ी-पुंगड़ी करदन, रोपणि मिलि-मिलि टोलि ।।

पालक	कैलास	कबीर	काका
बुलाक	मामूली	मालूम	कूल
भुला-भुली	पेड़	गुदमा	पंप

सरुली ससुराल गई। ससुराल में सास थी, ससुर थे। सब समझदार थे। सरुली भी समझदार थी।

सास बोली- मेरे भाग से समझदार बहू मिली।

सास का कहा सही था। सरुली का हाथ लगा, कूड़ी-पुंगड़ी सँभली। पास-पड़ोस सँभला। सभी लोगों में सरुली की बड़ाई हुई ।
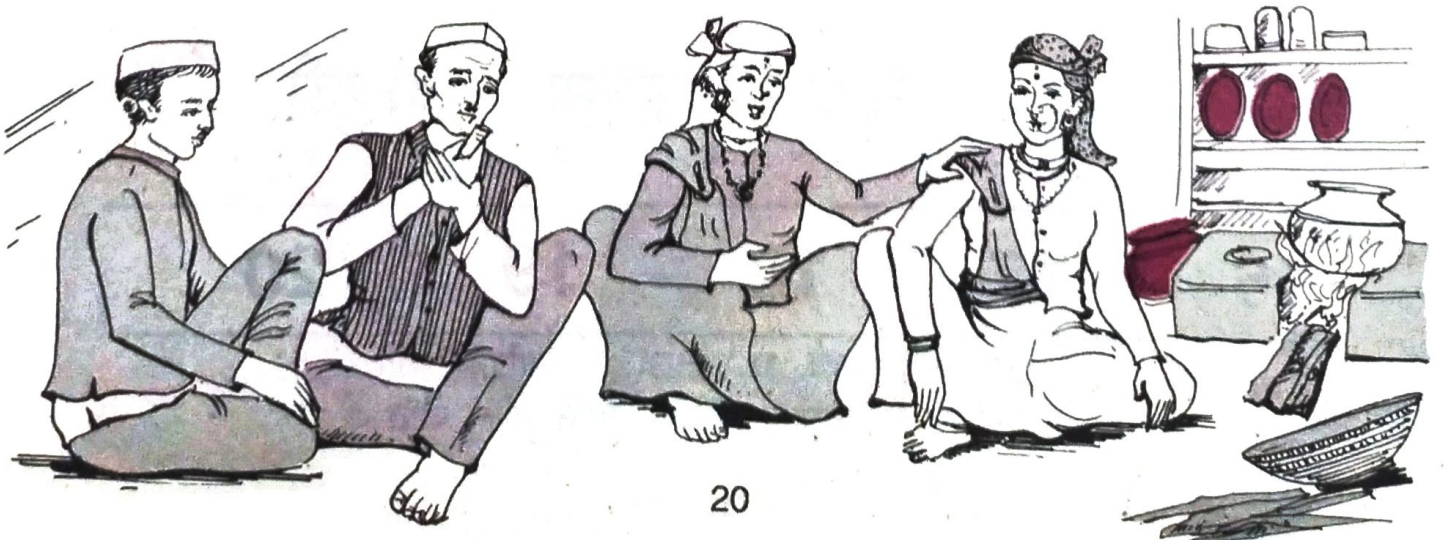
अभ्यास 6

1.1. चौखटे में लिखे वर्णों को उनके सामने लिखे शब्दों में खोजिए और उनके नीचे लकीर खींचिए :

क	लकड़ी	रकम	मकड़ी	कसैला
प	पल	कपास	कपड़ा	सुपारी

1.2. लिखिए :

क ----- ----- ----- ----- -----

प ----- ----- ----- ----- -----

1.3. 'ा', 'ि', 'ी', 'ु', 'ू', 'े', 'ै' और 'ो' की मात्राएँ लगाकर लिखिए और पढ़िए :

	ा	ि	ी	ु	ू	े	ै	ो
क	का	कि	की	कु	कू	के	कै	को
ग								
थ								
प								
ब								
म								
र								
ल								
स								
ह								

1.4. पढ़िए और लिखिए :

कमली, पालक ला। ______________________

राई ला। ______________________

हरा साग पका। ______________________

2.1. गिनती लिखिए :

16 ____ ____ ____ ____ ____

17 ____ ____ ____ ____ ____

18 ____ ____ ____ ____ ____

19 ____ ____ ____ ____ ____

20 ____ ____ ____ ____ ____

2.2. 11 से 20 तक क्रम से गिनती लिखिए :

11 ____ ____ ____ ____

____ ____ ____ ____ **20**

जाँच पत्र 2 (पाठ 4 से 6 तक के लिए)

1. पढ़िए :

(क) ह र स ई झ क प

(ख) बिहार गाड़ी भेड़ सींग थुलमा

मलाई झंगोरा दोहा लकीर पुंगड़ी

(ग) कमला समझदार लड़की है।

बलबीर समझदार लड़का है।

2. 'ु', 'ू', 'े', 'ै', अथवा 'ो' की मात्रा लगाकर शब्द पूरे कीजिए :

ससराल कदाल कड़ी भंस

दरगा पसा हली मली

3. पढ़िए और लिखिए :

कपासी	________	गुरू	________
सुहाग	________	सलाई	________
साँझ	________	राहगीर	________

4. गिनिए और लिखिए :

	______
	______
	______
	______
	______

5. छूटी हुई गिनती लिखिए :

11 ______ 13 14 ______

16 17 ______ 19 20

पाठ 7
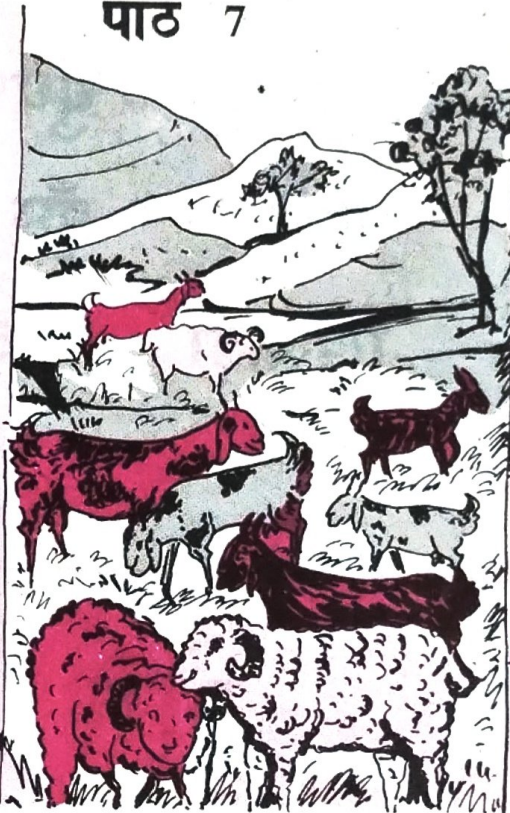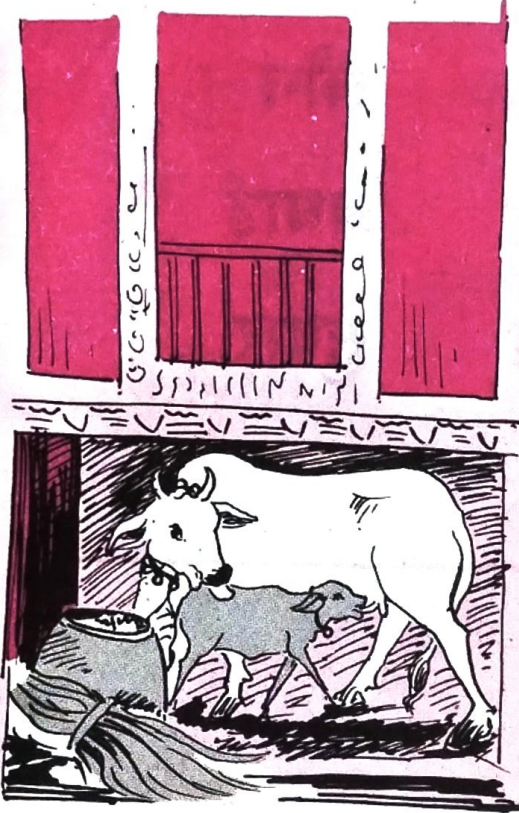
गौड़ी-बाछी भेड़-बाखरी दूध

ौ	लौकी	बौर	हथौड़ा	गौथ
छ	छड़ी	छाल	छाँछ	मछली
ख	खबर	खेत	राखी	खुद
ध	धार	धागुला	धौलागिरि	बाँध

21 22 23 24 25

गौड़ी-बाछी भेड़-बाखरी, यू ही हमारो धन छ।
दूध-ऊन भी मिलदो हम तैं, बणदों तगड़ू तन छ ।।

भौंरा	**मौसी**	**धुंध**	**लौंग**
पौड़ी	**पौंछी**	**मूँछ**	**बधाई**
राधा	**खिलाड़ी**	**खाद**	**सुधार**

गौरी

गौरी के पास छै भेड़ें हैं। दो भैंसें भी हैं।

गौरी सबेरे-सबेरे भीमल लाई। भीमल भैंसों के सामने रखा। धीरू पड़े-पड़े देख रहा था। गौरी से बोला- ''भैंसों को बस भीमल ही देगी कि खली भी देगी ?''

गौरी बोली- ''मुझे भीमल ही मिला, भीमल ही लाई। खली कैसे मिले ? पैसा कहाँ है ?

''पैसा !'' धीरू बोला- ''भेडें हैं, भैंसें हैं, पर पैसा ....''

''हाँ, पैसे की कमी है !'' गौरी बोली-

“कुछ काम करो। दूध हो, बिके, पैसा भी मिले।”

धीरू बोला- “कल से मैं भी काम करूँगा।”

अभ्यास 7

1. नीचे लिखे वर्णों को सामने दिए गए शब्दों में खोजिए और वर्ण जितनी बार आया है, उसकी संख्या सामने के चौखटे में लिखिए :

वर्ण					संख्या
छ	बछड़ा	छपाई	माहौल	सौदा	
ख	पकौड़ी	सुख	खाद	दुख	
ध	पौधा	खराद	धूमधाम	धूल	

2.1. लिखिए :

छ

ख

ध

2.2. पढ़िए और लिखिए :

कमली, सुई धागा ला। सिलाई कर।

3. गिनती लिखिए :

21 22 23 24 25
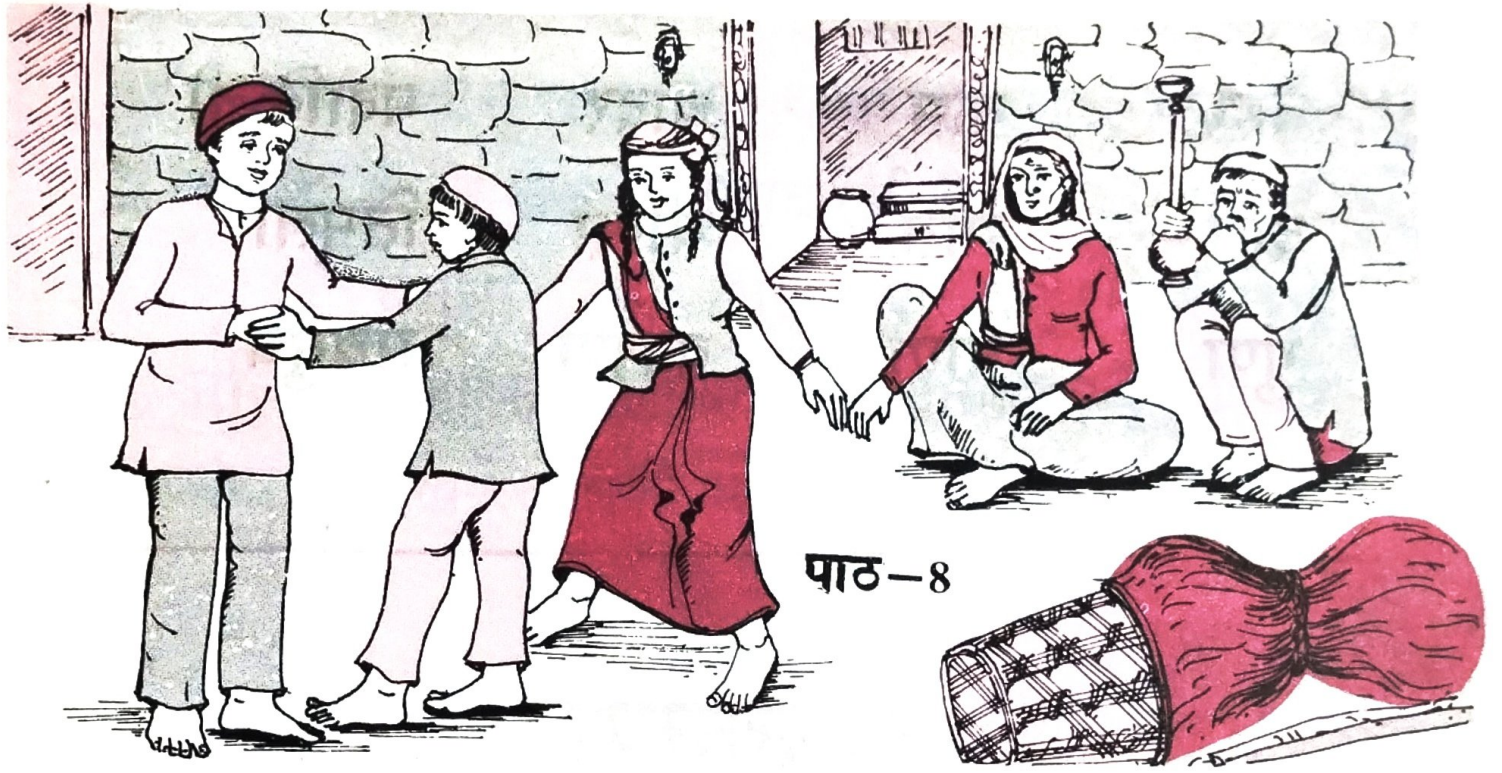
नाती-नतेण चखल-पखल

न त ण च

न	नर-नारी	नथुली	झरना	नौना-नौनी
त	तन	तुन	किताब	तोर
ण	कण	गणना	कौणी	गुणा
च	चना	चीड़	चोरु	चरखा

26 27 28 29 30

नाती-नतेण, नौनी-नौना, सुख का छन आधार।
चखल-पखल कम होंदि तब, जब छोटू परिवार ।।

नहर	नीम	चादर	मंदाकिनी
दाँत	भात	चीणा	तिमुला
गुण	धाण	कारण	सचमुच

नामकरण

चनुली की लड़की हुई। गोरा रंग, गोल चेहरा, कोमल हाथ-पैर। चनुली देखकर निहाल हो गई।

चनुली की सास भी मगन थी। बोली- ''नातिन का नामकरण बड़ी धूमधाम से करूँगी।''

सचमुच नामकरण के दिन सभी पहुँचे। सभी ने लड़की का नाम रखा, नंदा।

बाहर-भीतर भीड़-सी लगी थी। पारबती की पाँच संतानें, चंपा की चार, गौरी की दो।

सभी लोग गौरी के लड़के-लड़की को देख रहे थे। लड़का था नलिन—सात साल का। लड़की

थी नीला–तीन साल की। दोनों ही सुंदर, नीरोगी, चंचल, हँसते-खेलते, गुलाब सरीखे।

चनुली की सास बोली– ''गौरी ने नलिन-नीला को भली-भाँति पाला-पोसा है। मैं भी नंदा की देख-रेख भली-भाँति करूँगी।''

अभ्यास 8

1. पढ़िए :

न	नल	नदी	ण	गण	गुणा
त	तल	तना	च	चाक	चीनी

2.1. पढ़िए और लिखिए :

सामान कताई गणित कचनार

______ ______ ______ ______

2.2. चौखटे में लिखे अक्षरों को मिलाकर कम से कम तीन शब्द बनाइए और लिखिए :

नी	ली	ता	क
ची	म	तो	न
ला	स	त	दी

____

____

____

3. गिनती लिखिए :

26 27 28 29 30

______ ______ ______ ______ ______

एखुली घसियारी अखुली

ए घ य अ

ए	एक	एकता	एड़ी	नए
घ	घर	घास	घुरड़	बाघ
य	यह	छाया	माया	योगी
अ	अब	अपना	अदरक	अछरी

31 32 33 34 35 36 37 38 39 40

एखुली घसियारी अखुली, खुशि-खुशि करदी काम।
गौड़ी, सेर-सँवार करदी, स्वामि जयाँ छन लाम।।

घड़ा	घोंसला	घोड़ा	कंघी
काया	दयालु	सहायक	राय
अमचूर	अरहर	असर	अगला

नया संसार

अभी सबेरा ही था। अखुली घर से निकली। अपनी दाथुड़ी की धार बनाई, घास के लिए चल पड़ी।

अखुली न मेहनत से घबराती है, न कभी बेकार की बातों में समय बिताती है। बस, अपने काम से काम।

अखुली का पति पाँच साल पहले लाम पर गया था। तीन साल तक समाचार मिलते रहे। पिछले दो साल से कोई समाचार नहीं मिला। कभी-कभी पड़ोस की महिलाएँ कहती हैं–चंदन सिंह, अब कभी नहीं आएगा। पर अखुली यह बात नहीं मानती।

अख़ुली को अपने पर यक़ीन है। अखुली अपने सास-ससुर को खिलाती-पिलाती है। गाय-भैंसों का घास-पानी करती है। घर-बाहर दोनों सँभालती है। मन ही मन अपने चन्दन की राह देखती है।

एक दिन चंदन सिंह के आने का तार मिला। अखुली को नया संसार मिला।

अभ्यास 9

1.1. नीचे बाईं ओर कुछ वर्ण लिखे हैं। उनके सामने लिखी गिनती पढ़कर उतनी ही बार वह वर्ण लिखिए :

ए 4 ____ ____ ____ ____ ____

घ 6 ____ ____ ____ ____ ____

य 5 ____ ____ ____ ____ ____

अ 3 ____ ____ ____ ____ ____

1.2. नीचे कुछ शब्द लिखे हैं, पर उनके वर्णों का क्रम बिगड़ गया है। उनका क्रम ठीक करके लिखिए :

जैसे–सलाघों घोंसला

यकला ________ सघू ________

अरस ________ कताए ________

रूदअम ________ रकअद ________

..1. पढ़िए और लिखिए :

अनुली की एक गाय है।

____

गाय अनुली का धन है।

____

2.2. चित्र देखकर उसका नाम लिखिए :
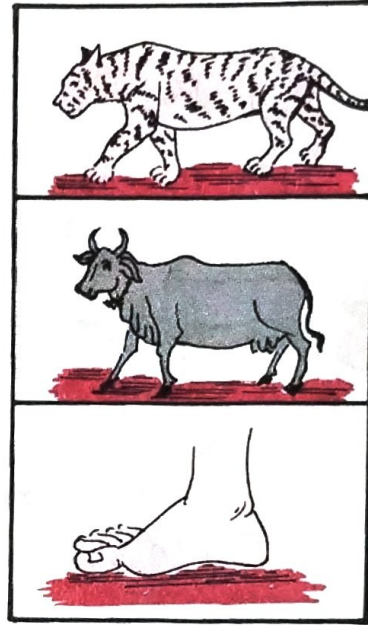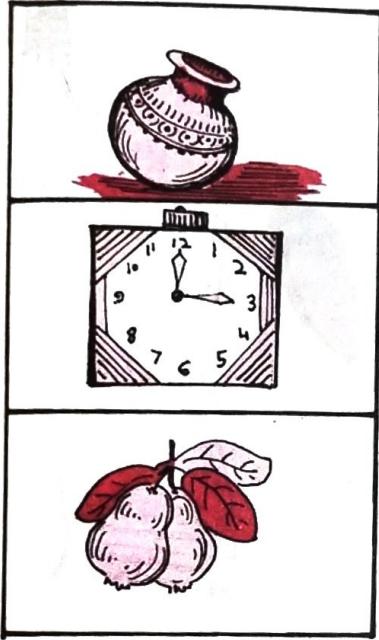
3.1. गिनती लिखिए :

31	32	33	34	35
____	____	____	____	____
36	37	38	39	40
____	____	____	____	____

3.2. छूटी हुई गिनती लिखिए :

21 ________ 23 ________ 25

26 ________ 28 ________ 30

पाठ 10
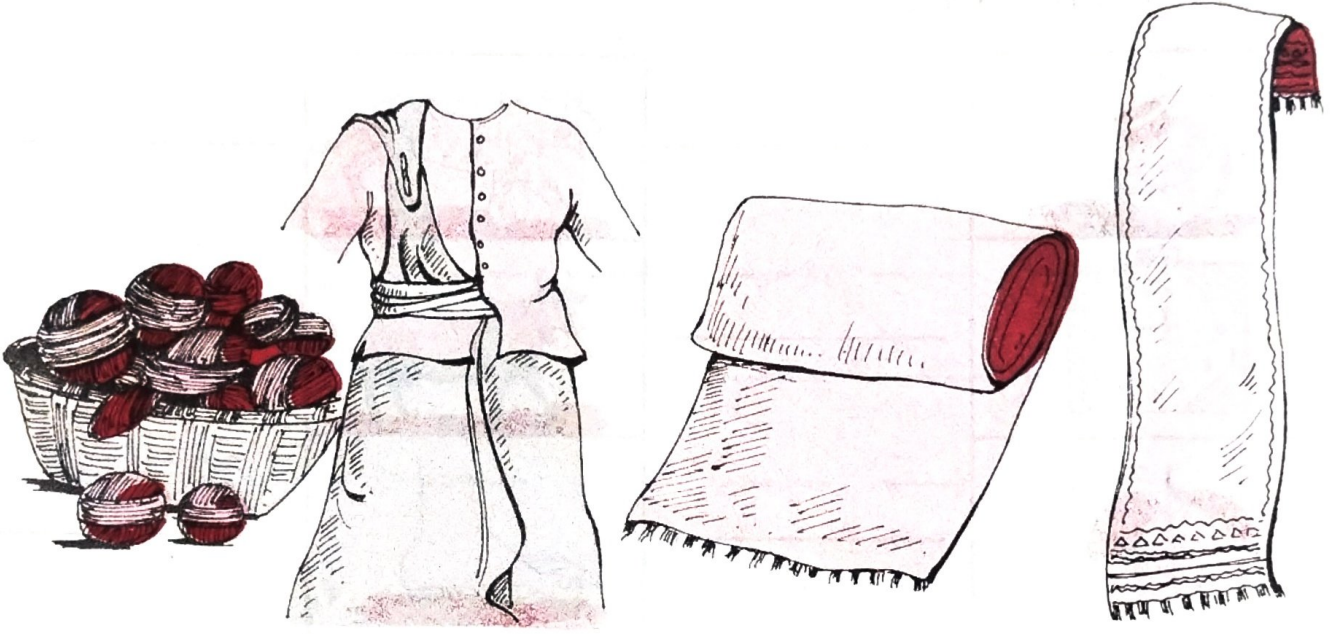
ऊन लवा कमोटा मफलर

ऊ व ट फ

ऊ	ऊनी	ऊपर	ऊखड़	कमाऊ
व	वह	विवाह	वंदना	वैरागी
ट	टीका	टमाटर	भट	चटाई
फ	फल	फाग	फरसा	सफाई

41 42 43 44 45 46 47 48 49 50

ऊन को भलो उद्यम करदा, बुणदा कपड़ा याँ का सुन्दर।
यख का लोग ठंड मा पैरदा, ऊन लवा कमोटा मफलर ।।

खड़ाऊँ	ताऊ	जनेऊ	कलेऊ
हवा	हवन	विधायक	भवानी
टिकट	रोटी	चोटी	घुँघटी
फसल	फागुन	फुहार	फकीर

अपना धंधा

चमोली जनपद में एक गाँव है- टंगसा।

गाँव में पूरब की तरफ फतेह सिंह का घर है। फतेह सिंह मेहनती है। वह भेड़ चराता है। घर का सारा काम करता है। कुछ पास-पड़ोस की सेवा भी कर लेता है।

फतेह सिंह साल में दो बार भेड़ों की ऊन काटता है। पहली बार भादों में, दूसरी बार फागुन में। फतेह सिंह की घरवाली नवरती भी समझदार है। वह ऊन कातती है। ऊन से लवा, कमोटा, मफलर वगैरह बनाती है ।

नवरती के बुने हुए कपड़े सुन्दर तथा टिकाऊ होते हैं। दुकान पर पहुँचते ही बिकने में देर नहीं लगती।

फतेह सिंह, ऊन के धंधे से खूब कमाई कर रहा है। फतेह सिंह- नवरती का परिवार सुखी है।

अभ्यास—10

1. नीचे चौखटे में कुछ अक्षर दिए हैं। उनके सामने कुछ अधूरे शब्द लिखे हैं। चौखटे में लिखे अक्षरों से अधूरे शब्द पूरे कीजिए और लिखिए :

ऊ	...खल	जने...
	____	____
व	चा...ल	...न
	____	____
ट	म...का	क...हल
	____	____
फ	...सल	स...ल
	____	____

2. नीचे चौखटे में दी गई पाँच ऐसी चीजों के नाम छाँटकर लिखिए, जो घर के काम आती हैं :

रावण	ऊन	चावल	टिकट	खड़ाऊँ
लोटा	पहाड़	टोकरी	फूल	फरसा
हवा	भवानी	खटाई	चटाई	सावन

1 ____ 2 ____ 3 ____

4 ____ 5 ____

3. पढ़िए और लिखिए :

हाथ से कुटे चावल अधिक ताकत देते हैं।

____

सफाई से बीमारी नहीं पनपती।

____

4. गिनती लिखिए :

41 **42** **43** **44** **45**

____ ____ ____ ____ ____

46 **47** **48** **49** **50**

____ ____ ____ ____ ____

4.2. 1 से 50 तक की गिनती क्रम से लिखिए :

1									10
41									50

जाँच पत्र 3 (पाठ 1 से 10 तक के लिए)

1. एक जैसे अक्षरों और शब्दों को लाइन लगाकर मिलाइए :

झ	ख	ऊखल	मटका
ऊ	थ	सावन	सौंफ
ख	झ	मटका	ऊखल
फ	ऊ	सौंफ	सावन
थ	ई	जनेऊ	लोटा
ई	फ	लोटा	जनेऊ

2. खाली स्थानों में सही शब्द चुनकर लिखिए :

साफ सुखी कटाव एकता

------- में बल है।

छोटा परिवार, --------- परिवार।

पेड़ हमें -------- हवा देते हैं।

पेड़-पौधे भूमि का ---------- रोकते हैं।

3. पढ़िए :

हम सब भारतीय हैं। न कोई छोटा है, न कोई बड़ा। सभी बराबर हैं। अनेक होते हुए भी एक हैं। एकता में ही बल है।

4. नीचे लिखे वाक्यों के आगे दो-दो शब्द दिए गए हैं। उनमें से सही शब्द छाँटकर खाली जगह में भरिए :

(क) बीमार होने पर -------- की सलाह लें।

(हकीम/ वकील)

(ख) काम-धंधे के लिए बैंक से -------- लें।

(ईंधन/ धन)

(ग) नदियाँ -------- से निकलती हैं।

(पहाड़ों/ घरों)

5. 37 से 50 तक की गिनती लिखिए :

___ ___ ___ ___ ___ ___ ___

___ ___ ___ ___ ___ ___ ___

6. छूटी हुई गिनतियों को भरिए :

21		23		25
26			29	
31		33		35

प्रतिभागी का नाम ____________________ पता ____________________

प्रवेश तिथि ____________________

परीक्षा तिथि ____________________

अनुदेशक/अनुदेशिका के हस्ताक्षर ____________________

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन

कार्यक्रमः ....

परियोजनाः ....

जिलाः .... उत्तर प्रदेश

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/

कु. .... सुपुत्र/पत्नी/सुपुत्री ....

.... ने सन् .... में चलाए गए प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र में 'गढ़ प्रवेशिका' (पहला भाग) पूरा कर लिया है।

पर्यवेक्षक/प्रेरक | ग्राम प्रधान | अनुदेशक

तारीख ....